निबंधन संख्या पी0टी0-40

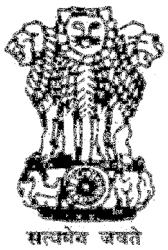

बिहार गजट

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 05 पटना, बुधवार, 12 माघ 1933 (श0)
1 फरवरी 2012 (ई0)

विषय-सूची

	पृष्ठ
भाग-1—नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।	2-14
भाग-1-क—स्वयंसेवक गुल्मों के समादेष्टाओं के आदेश।	---
भाग-1-ख—मैट्रीकुलेशन, आई0ए0, आई0एससी0, बी0ए0, बी0एससी0, एम0ए0, एम0एससी0, लॉ भाग-1 और 2, एम0बी0बी0एस0, बी0एस0ई0, डीप0-इन-एड0, एम0एस0 और मुख्तारी परीक्षाओं के परीक्षा-फल, कार्यक्रम, छात्रवृत्ति प्रदान, आदि।	---
भाग-1-ग—शिक्षा संबंधी सूचनाएं, परीक्षाफल आदि	---
भाग-2—बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।	15-16
भाग-3—भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं और नियम, 'भारत गजट' और राज्य गजटों के उद्धरण।	---
भाग-4—बिहार अधिनियम	---
भाग-5—बिहार विधान मंडल में पुर:स्थापित विधेयक, उक्त विधान मंडल में उपस्थापित या उपस्थापित किये जानेवाले प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान मंडल में पुर:स्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।	---
भाग-7—संसद के अधिनियम जिनपर राष्ट्रपति की ज्येष्ठअनुमति मिल चुकी है।	---
भाग-8—भारत की संसद में पुर:स्थापित विधेयक, संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में पुर:स्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।	---
भाग-9—विज्ञापन	---
भाग-9-क—वन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं	---
भाग-9-ख—निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।	17-17
पूरक	---
पूरक-क	19-27

भाग-1

नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य वैयक्तिक सूचनाएं

विधि विभाग

अधिसूचनाएं

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 28, दिनांक 1 फरवरी 2012—नोटरीज ऐक्ट, 1952(53, 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल नोटरीज ऐक्ट, 1952 (53, 1952) की धारा-3 और नोटरीज रूल्स, 1956 के नियम-8 के उप-नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-3305/जे0, दिनांक 22 जुलाई 1992 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक श्री जनार्दन सिंह, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा नीचे अंकित है, को दिनांक 22 जुलाई 2011 से पुनः अगामी पॉच वर्षो के लिए लेख्य प्रमाणक के रुप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय एवं व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्त्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री जनार्दन सिंह	अधिवक्ता, एवं नोटरी सिविल कोर्ट, बाढ़, जिला-पटना	22.07.92	बी0ए0 बी0एल0	बाढ़ अनुमंडल	

(सं0 सं0-ए0/ए0बी0-43/90/428/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 29, एस0ओ0 28, दिनांक 1 फरवरी 2012 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/ए0बी0-43/90/428/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

The 17th January 2012

S.O. 28, dated 1st February 2012—In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952) the Governor of Bihar is pleased to authorise Shri Janardan Singh and whose detail according to Notary Register is given below the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 by the State Government in Law Department Notification No. 3305/J, dated 22nd July 1992 to practice as notary again for the next five years from 22nd July 2011.

Name of Notary	Residental/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Janardan Singh	Advocate, Notary Civil Court, Barh Distt-Patna	22.07.92	B.A B.L	Barh Sub-division	

(File no.-A/AB-43/90/428/J)
By order of the Governor of Bihar,
VINOD KUMAR SINHA, *Secretary.*

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 30, दिनांक 1 फरवरी 2012—नोटरीज ऐक्ट, 1952(53, 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल नोटरीज ऐक्ट, 1952 (53, 1952) की धारा-3 और नोटरीज रूल्स, 1956 के नियम-8 के उप-नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-4730/जे0, दिनांक 7 अगस्त 1989 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक श्री प्रदीप कुमार दूबे, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा नीचे अंकित है, को दिनांक 11 मई 2011 से पुनः अगामी पॉच वर्षो के लिए लेख्य प्रमाणक के रुप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते है।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय एवं व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्त्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री प्रदीप कुमार दूबे	अधिवक्ता, सिविल कोर्ट, दानापुर	07.08.89	बी0ए0 एल0एल0बी0	दानापुर अनुमंडल	

(सं0 सं0-ए0/ए0बी0-49/88/**429**/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 31, एस0ओ0 30, दिनांक 1 फरवरी 2012 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/ए0बी0-49/88/429/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

The 17th January 2012

S.O. 30, dated 1st February 2012—In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952) the Governor of Bihar is pleased to authorise Shri Pradip Kumar Dubey and whose detail according to Notary Register is given below the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 by the State Government in Law Department Notification No. 4730/J, dated 7th August 1989 to practice as notary again for the next five years from 11th May 2011.

Name of Notary	Residental/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Pradip Kumar Dubey	Advocate, Civil Court Danapur	07.08.89	B.A L.L.B	Danapur Sub-division	

(File no.-A/AB-49/88/429/J)
By order of the Governor of Bihar,
VINOD KUMAR SINHA, *Secretary.*

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 32, दिनांक 1 फरवरी 2012—नोटरीज ऐक्ट, 1952(53, 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल नोटरीज ऐक्ट, 1952 (53, 1952) की धारा-3 और नोटरीज रूल्स, 1956 के नियम-8 के उप-नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-1039/जे0, दिनांक 22 मार्च 1999 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक श्री सुरेश सिंह, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा नीचे अंकित है, को दिनांक 22 मार्च 2012 से पुनः अगामी पॉच वर्षो के लिए लेख्य प्रमाणक के रुप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते है।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय एवं व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्त्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री सुरेश सिंह	अधिवक्ता, सिविल कोर्ट, पटना सिटी	22.03.99	बी0ए0 एल0एल0बी0	पटना सिटी अनुमंडल	

(सं0 सं0-ए0/नोट-1/97/430/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 33, एस0ओ0 32, दिनांक 1 फरवरी 2012 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-1/97/430/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

The 17th January 2012

S.O. 32, dated 1st February 2012—In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952) the Governor of Bihar is pleased to authorise Shri Suresh Singh and whose detail according to Notary Register is given below the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 by the State Government in Law Department Notification No. 1039/J, dated 22nd March 1999 to practice as notary again for the next five years from 22nd March 2012.

Name of Notary	Residental/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Suresh Singh	Advocate, Civil Court, Patna City	22.03.99	B.A L.L.B	Patna City Sub-division	

(File no.-A/Not-1/97/430/J)
By order of the Governor of Bihar,
VINOD KUMAR SINHA, *Secretary.*

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 34, दिनांक 1 फरवरी 2012—नोटरीज ऐक्ट, 1952(53, 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल नोटरीज ऐक्ट, 1952 (53, 1952) की धारा-3 और नोटरीज रूल्स, 1956 के नियम-8 के उप-नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-2712/जे0, दिनांक 12 अगस्त 1998 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक श्री अशोक कुमार, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा नीचे अंकित है, को दिनांक 12 अगस्त 2011 से पुनः अगामी पॉच वर्षो के लिए लेख्य प्रमाणक के रुप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते है।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय एवं व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्त्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री अशोक कुमार	अधिवक्ता, सिविल कोर्ट, पटना	12.08.98	बी0ए0 एल0एल0बी0	पटना जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट-11/96/431/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 35, एस0ओ0 34, दिनांक 1 फरवरी 2012 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-11/96/431/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

The 17th January 2012

S.O. 34, dated 1st February 2012—In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952) the Governor of Bihar is pleased to authorise Shri Ashok Kumar and whose detail according to Notary Register is given below the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 by the State Government in Law Department Notification No. 2712/J, dated 12th August 1998 to practice as notary again for the next five years from 12th August 2011.

Name of Notary	Residental/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Ashok Kumar	Advocate, Civil Court, Patna	12.08.98	B.A L.L.B	Patna District	

(File no.-A/Not-11/96/431/J)
By order of the Governor of Bihar,
VINOD KUMAR SINHA, *Secretary.*

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 36, दिनांक 1 फरवरी 2012—नोटरीज ऐक्ट, 1952(53, 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल नोटरीज ऐक्ट, 1952 (53, 1952) की धारा-3 और नोटरीज रूल्स, 1956 के नियम-8 के उप-नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-350/जे0, दिनांक 23 जनवरी 1992 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक श्री अशोक नारायण सिन्हा, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा नीचे अंकित है, को दिनांक 23 जनवरी 2011 से पुनः अगामी पॉच वर्षो के लिए लेख्य प्रमाणक के रुप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय एवं व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्त्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री अशोक नारायण सिन्हा	अधिवक्ता, तोपखाना बाजार, जिला-मुंगेर, व्यवहार न्यायालय मुंगेर	23.01.1992	बी0एल0	मुंगेर जिला	

(सं0 सं0-ए0/ए0बी0-4/91/**432**/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 37, एस0ओ0 36, दिनांक 1 फरवरी 2012 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/ए0बी0-4/91/**432**/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

The 17th January 2012

S.O. 36, dated 1st February 2012—In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952) the Governor of Bihar is pleased to authorise Shri Ashok Narayan Sinha and whose detail according to Notary Register is given below the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 by the State Government in Law Department Notification No. 350/J, dated 23rd January 1992 to practice as notary again for the next five years from 23rd January 2011.

Name of Notary	Residental/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Ashok Narayan Sinha	Advocate, Topkhana Bazar Munger, Civil Court Munger	23.01.1992	B.L	Munger District	

(File no.-A/AB-4/91/432/J)
By order of the Governor of Bihar,
VINOD KUMAR SINHA, *Secretary.*

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 38, दिनांक 1 फरवरी 2012—नोटरीज ऐक्ट, 1952(53, 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल नोटरीज ऐक्ट, 1952 (53, 1952) की धारा-3 और नोटरीज रूल्स, 1956 के नियम-8 के उप-नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-3137/जे0, दिनांक 12 सितम्बर 2001 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक श्री महेश कुमार पंडित, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा नीचे अंकित है, को दिनांक 12 सितम्बर 2011 से पुनः अगामी पॉच वर्षो के लिए लेख्य प्रमाणक के रुप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय एवं व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्त्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री महेश कुमार पंडित	अधिवक्ता, चंडी स्थान, मुंगेर व्यवहार न्यायालय, मुंगेर	12.09.2001	बी0कॉम एल0एल0बी0	मुंगेर जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट-59/98/433/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 39, एस0ओ0 38, दिनांक 1 फरवरी 2012 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-59/98/433/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

The 17th January 2012

S.O. 38, dated 1st February 2012—In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952) the Governor of Bihar is pleased to authorise Shri Mahesh Kumar Pandit and whose detail according to Notary Register is given below the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 by the State Government in Law Department Notification No. 3137/J, dated 12th September 2001 to practice as notary again for the next five years from 12th September 2011.

Name of Notary	Residental/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Mahesh Kumar Pandit	Advocate, Chandi Asthan Munger, Civil Court Munger	12.09.2001	B.Com L.L.B	Munger District	

(File no.-A/Not-59/98/433/J)
By order of the Governor of Bihar,
VINOD KUMAR SINHA, *Secretary.*

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 40, दिनांक 1 फरवरी 2012—नोटरीज ऐक्ट, 1952(53, 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल नोटरीज ऐक्ट, 1952 (53, 1952) की धारा-3 और नोटरीज रूल्स, 1956 के नियम-8 के उप-नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-3241/जे0, दिनांक 18 सितमबर 2001 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक श्री सरोज प्रसाद सिंह, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा नीचे अंकित है, को दिनांक 18 सितमबर 2011 से पुन: अगामी पॉच वर्षो के लिए लेख्य प्रमाणक के रुप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते है।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय एवं व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्त्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री सरोज प्रसाद सिंह	अधिवक्ता, सिविल कोर्ट, सासाराम	18.09.01	एल0एल0बी0	रोहतास जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट-11/98/434/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 41, एस0ओ0 40, दिनांक 1 फरवरी 2012 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-11/98/434/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

The 17th January 2012

S.O. 40, dated 1st February 2012—In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952) the Governor of Bihar is pleased to authorise Shri Saroj Prasad Singh and whose detail according to Notary Register is given below the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 by the State Government in Law Department Notification No. 3241/J dated 18th September 2001 to practice as notary again for the next five years from 18th September 2011.

Name of Notary	Residental/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Saroj Prasad Singh	Advocate, Civil Court, Sasaram	18.09.01	L.L.B	Rohtas District	

(File no.-A/Not-11/98/434/J)
By order of the Governor of Bihar,
VINOD KUMAR SINHA, *Secretary.*

———

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 42, दिनांक 1 फरवरी 2012—नोटरीज ऐक्ट, 1952(53, 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल नोटरीज ऐक्ट, 1952 (53, 1952) की धारा-3 और नोटरीज रूल्स, 1956 के नियम-8 के उप-नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-2429/जे0, दिनांक 25 जुलाई 1998 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक श्री राम बचन सिंह, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा नीचे अंकित है, को दिनांक 25 जुलाई 2011 से पुनः अगामी पॉच वर्षो के लिए लेख्य प्रमाणक के रुप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते है।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय एवं व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्त्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री राम बचन सिंह	अधिवक्ता, एवं नोटरी, जुब्ली हॉल, एडवोकेट एशोसिएशन लाइब्रेरी के पास, उच्च न्यायालय, पटना	25.07.98	बी0ए0 एल0एल0बी0	पटना जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट-69/94/**435**/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

———

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 43, एस0ओ0 42, दिनांक 1 फरवरी 2012 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-69/94/**435**/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

———

The 17th January 2012

S.O. 42, dated 1st February 2012—In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952) the Governor of Bihar is pleased to authorise Shri Ram Bachan Singh and whose detail according to Notary Register is given below the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 by the State Government in Law Department Notification No. 2429/J, dated 25th July 1998 to practice as notary again for the next five years from 25th July 2011.

Name of Notary	Residental/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Ram Bachan Singh	Advocate, Notary, Jubilee hall, Near Advocate Association Library, High Court, Patna.	25.07.98	B.A L.L.B	Patna District	

(File no.-A/Not-69/94/435/J)
By order of the Governor of Bihar,
VINOD KUMAR SINHA, *Secretary.*

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 44, दिनांक 1 फरवरी 2012—नोटरीज ऐक्ट, 1952(53, 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल नोटरीज ऐक्ट, 1952 (53, 1952) की धारा-3 और नोटरीज रूल्स, 1956 के नियम-8 के उप-नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-348/जे0, दिनांक 23 जनवरी 1992 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक श्री सुरेन्द्र सिंह, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा नीचे अंकित है, को दिनांक 23 जनवरी 2011 से पुनः अगामी पॉच वर्षो के लिए लेख्य प्रमाणक के रुप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते है।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय एवं व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्त्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री सुरेन्द्र सिंह	अधिवक्ता, व्यवहार न्यायालय मुंगेर	23.01.1992	बी0एल0	मुंगेर जिला	

(सं0 सं0-ए0/ए0बी0-05/1991/**436**/जे0)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

---

17 जनवरी 2012

एस0ओ0 45, एस0ओ0 44, दिनांक 1 फरवरी 2012 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/ए0बी0-05/1991/**436**/जे0)
बिहार राज्यपाल के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, सचिव ।

The 17th January 2012

S.O. 44, dated 1st February 2012—In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952) the Governor of Bihar is pleased to authorise Shri Surendra Singh and whose detail according to Notary Register is given below the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 by the State Government in Law Department Notification No. 348/J, dated 23rd January 1992 to practice as notary again for the next five years from 23rd January 2011.

Name of Notary	Residental/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Surendra Singh	Advocate, Civil Court Munger	23.01.1992	B.L	Munger District	

(File no.-A/AB-05/1991/436/J)
By order of the Governor of Bihar,
VINOD KUMAR SINHA, *Secretary.*

वाणिज्य–कर विभाग

अधिसूचनाएं

20 जनवरी 2012

सं० 6 / गो0–34–01 / 2010–298 / वा0कर–डा0 विनोद कुमार दुदानी, नव प्रोन्नत वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त, अन्वेषण ब्यूरों मगध प्रमंडल, गया (रजौली जॉच चौकी प्रभारी) को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) मगध प्रमंडल गया के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6 / गो0–34–01 / 2010–299 / वा0कर–श्री ब्रज किशोर पचेरीवाल, नव प्रोन्नत वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त (अन्वेषण ब्यूरो), पटना पूर्वी एवं पश्चिमी प्रमंडल, पटना को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त (अपील), पटना पूर्वी एवं पश्चिमी प्रमंडल, पटना के पद पर नियुक्त किया जाता है।

श्री पचेरीवाल अपने कार्यो के अतिरिक्त वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त (अपील) केन्द्रीय प्रमंडल पटना के अतिरिक्त प्रभार में रहेगें है।

सं० 6 / गो0–34–01 / 2010–300 / वा0कर–श्री सियाराम सिंह, नव प्रोन्नत वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त, मुख्यालय, को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त के वेतनमान् में वरीय लेखा पदाधिकारी, पथ परिवहन निगम, पटना के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6 / गो0–34–01 / 2010–301 / वा0कर–श्री प्रकाश चन्द्र वर्मा, नव प्रोन्नत वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त, सम्प्रति वरीय लेखा पदा0 पथ परिवहन निगम, पटना को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त (अंकेक्षण), पटना के पद पर नियुक्त किया जाता है।

श्री वर्मा को अपने कार्यो के अतिरिक्त वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त (अंकेक्षण) मगध प्रमंडल गया के अतिरिक्त प्रभार में रहेगें।

सं० 6 / गो0–34–01 / 2010–302 / वा0कर–श्री ओम प्रकाश झा, नव प्रोन्नत वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त सम्प्रति बजट पदाधिकारी वित्त विभाग को अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त–सह–बजट पदाधिकारी वित्त विभाग बिहार, पटना के पद पर यथावत् बने रहेगें।

सं० 6 / गो0–34–01 / 2010–303 / वा0कर–श्री परमेन्द्र नारायण मिश्र, नव प्रोन्नत वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त, प्रभारी, दरभंगा अंचल, दरभंगा को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त (प्रशासन), भागलपुर प्रमंडल, भागलपुर के पद पर नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मो0 अयूब साबिर, वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त (प्र0) भागलपुर प्रमंडल भागलपुर के सेवा–निवृति के बाद दिनांक 1 फरवरी 2012 से प्रभावी होगा।

सं० 6 / गो0–34–01 / 2010–304 / वा0कर–श्री संतोष कुमार सिन्हा, वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त,(अंकेक्षण), पटना को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए सदस्य, वाणिज्य–कर न्यायाधिकरण के पद पर नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश श्री जवाहर चौधरी, वाणिज्य–कर अपर आयुक्त वाणिज्य–कर न्यायाधिकरण के सेवा–निवृति के पश्चात् दिनांक 1 फरवरी 2012 से प्रभावी होगा।

सं० 6 / गो0–34–01 / 2010–305 / वा0कर–श्री अशोक कुमार, वाणिज्य–कर उपायुक्त (अंकेक्षण), पटना को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर उपायुक्त अन्वेषण ब्यूरो सारण एवं तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर (जलालपुर जॉच चौकी के लिए) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–306/वा0कर–श्री गुलाम रसूल खातमी, वाणिज्य–कर उपायुक्त (अंकेक्षण), मुजफ्फरपुर को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर उपायुक्त, अन्वेषण ब्यूरो तिरहुत एवं सारण प्रमंडल मुजफ्फरपुर (जलालपुर जॉच चौकी के लिए) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–307/वा0कर–श्री कृष्णा सिंह, वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) पटना को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, अन्वेषण ब्यूरो तिरहुत एवं सारण प्रमंडल मुजफ्फरपुर (जलालपुर जॉच चौकी के लिए) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–308/वा0कर–श्री श्यामा कान्त झा, वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) पटना को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–309/वा0कर–श्री शशि रंजन कुमार, वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) मुजफ्फरपुर को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो तिरहुत एवं सारण प्रमंडल मुजफ्फरपुर (जलालपुर जॉच चौकी के लिए) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–310/वा0कर–श्री कपिलदेव सिंह, वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, (मुख्यालय में पदस्थापन की प्रतिक्षा में) को अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–311/वा0कर–श्री अनिल कुमार, वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) मुजफ्फरपुर को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, अन्वेषण ब्यूरो तिरहुत एवं सारण प्रमंडल मुजफ्फरपुर (जलालपुर जॉच चौकी के लिए) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–312/वा0कर–श्री श्याम नारायण सिंह, वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) मुजफ्फरपुर को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, अन्वेषण ब्यूरो तिरहुत एवं सारण प्रमंडल मुजफ्फरपुर (जलालपुर जॉच चौकी के लिए) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–313/वा0कर–श्री विश्वनाथ महतो, वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) मुजफ्फरपुर को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, अन्वेषण ब्यूरो पटना पूर्वी एवं पश्चिमी प्रमंडल, पटना के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–314/वा0कर–श्री सुरेश प्रसाद सिंह, वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, गया को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, अन्वेषण ब्यूरो मगध प्रमंडल, गया। (डोभी जॉच चौकी के लिए) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–315/वा0कर–श्री हरि प्रसाद यादव, वाणिज्य–कर उपायुक्त, अन्वेषण ब्यूरों मगध प्रमंडल, गया (रजौली जॉच चौकी) अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर उपायुक्त, अन्वेषण ब्यूरो मगध प्रमंडल, गया (प्रभारी रजौली जॉच चौकी के लिए) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–316/वा0कर– श्री राजेश कुमार सिंह, वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) गया को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, (अंकेक्षण) पटना के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–317/वा0कर–श्री आनन्द कुमार वेरौलिया, वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) भागलपुर को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, पाटलीपुत्र अंचल, पटना के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–318/वा0कर–श्री संदीप कुमार सिंह, वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) भागलपुर को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, अन्वेषण ब्यूरो तिरहुत एवं सारण प्रमंडल मुजफ्फरपुर (जलालपुर जॉच चौकी के लिए) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–319/वा0कर–श्री अनिल कुमार सिंह वाणिज्य–कर उपायुक्त (अंकेक्षण) पटना को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक वाणिज्य–कर उपायुक्त, (अंकेक्षण) मुजफ्फरपुर के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–320/वा0कर–डा0 सुनिल कुमार, वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, बेतिया अंचल, बेतिया को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर सहायक आयुक्त, (अंकेक्षण) पटना के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–321/वा0कर–श्री प्रियदर्शी रंजन, वाणिज्य–कर पदाधिकारी, सारण अंचल, छपरा को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर पदाधिकारी, विशेष अंचल, पटना के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 6/गो0–34–01/2010–322/वा0कर–श्री अनुप कुमार, वाणिज्य–कर पदाधिकारी, नवादा अंचल नवादा को स्थानातंरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य–कर पदाधिकारी, अन्वेषण ब्यूरो पटना पूर्वी एवं पश्चिमी प्रमंडल के पद पर नियुक्त किया जाता है।

बिहार–राज्यपाल के आदेश से,
मो0 शमीम, उप–सचिव ।

पर्यावरण एवं वन विभाग

अधिसूचना
19 जनवरी 2012

सं० भा0व0से0 स्था0 17/2011–228/प0व0—श्री पी0 के0 गुप्ता, भा0व0से0 (1992), अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, निर्वाचन विभाग, बिहार, पटना की सेवा सामान्य प्रशासन विभाग से वापस लेते हुए उन्हें वन संरक्षक, मुजफ्फरपुर के पद पर अगले आदेश तक पदस्थापित किया जाता है।

इनका मुख्यालय मुजफ्फरपुर रहेगा।

2. यह अधिसूचना भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली से सहमति प्राप्त होने के पश्चात् प्रभावी होगी।

बिहार–राज्यपाल के आदेश से,
संजय कुमार, उप–सचिव।

गृह (विशेष) विभाग

अधिसूचना
19 जनवरी 2012

सं० स्टे०/झा0 वि0–05/2011–685सी0,—माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा C.W.J.C.No-422/2011 सुरेश कुमार दास बनाम राज्य सरकार एवं अन्य में दिनांक 25 जुलाई 2011 को पारित आदेश के आलोक में विभागीय अधिसूचना संख्या–10455, दिनांक 6 सितम्बर 2010 के क्रमांक–'2' में आंशिक रूप से संशोधन करते हुए श्री सुरेश कुमार दास, सहायक अभियंता, पथ निर्माण विभाग का पारस्परिक आधार पर बिहार से झारखंड राज्य किया गया स्थानान्तरण रद्द किया जाता है। तद्नुसार श्री दास सहायक अभियंता बिहार में ही बने रहेगें।

2. उक्त निर्णय श्री सुरेश कुमार दास, सहायक अभियंता के प्रतिस्थानी के रूप में झारखंड से बिहार राज्य स्थानान्तरित किये गये श्री किशोरी प्रसाद देव, सहायक अभियंता पर प्रभावी नहीं होगा तथा उक्त विभागीय अधिसूचना के आधार पर श्री देव, सहायक अभियंता, का राज्य स्थानान्तरण बिहार में यथावत् रूप से बना रहेगा।

बिहार–राज्यपाल के आदेश से,
राजीव रंजन सिन्हा, संयुक्त सचिव

नगर विकास एवं आवास विभाग

अधिसूचनाएं
20 जनवरी 2012

सं0 1/स्था0/न0 नि0–45/09–214/न0वि0एवंआ0वि0—बिहार नगरपालिका अधिनियम 2007 की धारा–41 के अध्यधीन निम्नांकित पदाधिकारियों को अपने कार्यो के अतिरिक्त उनके नाम के सम्मुख अंकित स्तम्भ–3 में पदभार ग्रहण की तिथि से अगले आदेश तक नगर कार्यपालक पदाधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु प्राधिकृत किया जाता है :–

क्रम सं0	पदाधिकारी का नाम एवं पदनाम	पद एवं स्थान
1	2	3
1.	श्री अरविन्द प्रसाद सिंह, अंचल अधिकारी, मढ़ौरा	नगर कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत मढ़ौरा, जिला–सारण (छपरा)
2.	श्री अरूण कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी, सोनपुर	नगर कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत सोनपुर,, जिला–सारण (छपरा)

बिहार–राज्यपाल के आदेश से,
(ह०)–अस्पष्ट, उप–सचिव ।

11 जनवरी 2012

सं0 सं0–4(न0) का–1–13/04–133/न0वि0एवंआ0वि0—बिहार नगरपालिका अधिनियम 2007 की धारा–41 के अध्यधीन श्री शंभु शरण पाण्डेय, भूमि सुधार उप–समाहर्त्ता, नरकटियागंज को प्रभार ग्रहण की तिथि से अगले आदेश तक के लिए अतिरिक्त रूप से नगर कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद नरकटियागंज, जिला–प0 चम्पारण के पद पर कार्य करने हेतु प्राधिकृत किया जाता है।

बिहार–राज्यपाल के आदेश से,
(ह०)–अस्पष्ट, उप–सचिव ।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 46—571+**100**-डी0टी0पी0।
Website: http://egazette.bih.nic.in

भाग-2

बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।

निदेशालय, स्वास्थ्य सेवाएं,

आदेश
4 फरवरी 2011

सं0 11/एम0स्था0–27/10–165(11)—श्री राम कृष्ण परमहंस पुत्र स्व0 गनौरी पासवान, भूतपूर्व बुनियादी स्वास्थ्य निरिक्षक, जिला मलेरिया कार्यालय, पूर्णियां (पता–जय बिहार कौलनी, जिरो माईल, पो0+थाना–बहादुरपुर जिला–भागलपुर) को आहूत जिला अनुकम्पा समिति पूर्णियां की बैठक दिनांक 4 अगस्त 2010 में लिये गये निर्णयानुसार उनके पत्रांक 1484/स्था0, दिनांक 23 अगस्त 2010 के द्वारा की गयी अनुशंसा (क्रमांक 24) के आलोक में जिला मलेरिया कार्यालय, पूर्णियां के अधिन वर्ग 3 के पदपर पुनरीक्षित वेतनमान 5200–20200 रू0 निम्नांकित शर्तो पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है तथा इनका पदस्थापन जिला मलेरिया पदाधिकारी पूर्णियां के कार्यालय में लिपिक के पद पर किया जाता है ।

1. योगदान के समय श्री राम कृष्ण परमहंस को सिविल सर्जन से अपना स्वास्थ्य प्रमाण–पत्र, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण–पत्र एवं जन्म तिथि प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा ।

2. यह नियुक्ति विल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना किसी पूर्व सूचना के सेवा समाप्त की जा सकती है ।

3. योगदान के समय श्री राम कृष्ण परमहंस को इस आशय का शपथ पत्र देना होगा कि मृत सरकारी सेवक (स्व0 गनौरी पासवान) के आश्रितों का भरण पोषण करने के लिए वे पूर्णतः उत्तरदायी होगें । यदि वे ऐसा नहीं करते है तो यह कदाचार माना जायेगा । प्रतिशपथ पत्र में इस बात का उल्लेख होना चाहिए कि इसकी अवहेलना करने पर उनकी परिलब्धियों में से यथोचित अंश काट कर मृत सरकारी सेवक के आश्रितों को देने का आदेश नियुक्ति पदाधिकारी द्वारा दिया जा सकता है ।

4. दिनांक 1 सितम्बर 2005 से पेंशन की नई स्कीम लागू हो गयी है । अतः श्री राम कृष्ण परमहंस के मामलों में वही पेशन स्कीम लागू होगी ।

5. श्री राम कृष्ण परमहंस को इस आशय का शपथ पत्र भी समर्पित करना होगा कि उनके द्वारा तिलक दहेज नहीं लिया गया है । नहीं लिया जायेगा ।

6. योगदान के लिए किसी प्रकार का मार्ग व्यय देय नहीं होगा एवं योगदान करने की तिथि से ही उनकी नियुक्ति मान्य होगी ।

7. किसी प्रकार की गलत सूचना देकर अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति प्राप्त कर लेने पर तत्काल उनकी सेवा समाप्त कर उनके विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई भी की जा सकती है ।

8. श्री राम कृष्ण परमहंस के वेतन का भुगतान उनके प्रथम वेतन विपत्र पर अधोहस्ताक्षरी के प्रतिहस्ताक्षर होने के उपरांत ही किया जायेगा ।

आदेश से,
डा0 सुरेन्द्र प्रसाद, निदेशक प्रमुख,
स्वास्थ्य सेवाएँ, बिहार, पटना ।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 46—571+**10**-डी0टी0पी0।
Website: http://egazette.bih.nic.in

भाग-9(ख)

निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।

सूचना

No. 126— I, Sneha, D/o Surendra Prasad, W/o Ravi Kumar, R/o 7th Mridulavihar, Ananndvihar colony, P.O. B.V. College, Patna-14, declare vide Afdvt no. 1316, Dt. 19th November 2011, after marriage my name will be Sneha Kashyap.

SNEHA.

सं० 126—मैं, स्नेहा, सुपुत्री सुरेन्द्र प्रसाद, पत्नी रवि कुमार, 7वां मृदुला विहार, आनन्दविहार कॉलनी, अम्बेदकर पथ पटना 800014 शपथ पत्र संख्या 1316, दिनांक 19 नवम्बर 2011 द्वारा घोषित करती हूं कि शादी के बाद मैं स्नेहा कश्यप के नाम से जानी जाऊंगी।

स्नेहा ।

No. 125—I, hitherto known as PIYUSH, DOB. 29th January 1991, son of Sri Chandra Shekhar, student of SRM University, Ramapuram, Chennai, permanent address: 301, Sundaram, Mansarovar Gardens, Sinha Library Lane, Chhajjubagh, Patna–800001 residing at Plot no. 2, 2nd Street, Mullai Nagar, Ramapuram, Chennai–600089 have changed my name and shall hereafter be known as PIYUSH SHEKHAR.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection .

PIYUSH.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 46—571+**10**-डी0टी0पी0।
Website: http://egazette.bih.nic.in

बिहार गजट

का

पूरक(अ0)

प्राधिकारी द्वारा प्रकाशित

वाणिज्य–कर विभाग

अधिसूचना

23 जनवरी 2012

सं० कौन/भी–903/2004–11–विभागीय अधिसूचना संख्या–12, दिनांक 12 फरवरी 2009 द्वारा श्री नवीन कुमार, बि0 वि० से० सम्प्रति वाणिज्य–कर पदाधिकारी, झंझारपुर अंचल, झंझारपुर को उनके कोषागार पदाधिकारी, भोजपुर (आरा) के पदस्थापनकाल में बरती गयी कतिपय अनियमितताओं के लिए 8 (आठ) वार्षिक वेतन वृद्धियाँ आदेश निर्गमन की तिथि से संचयात्मक प्रभाव से रोके जाने एवं वर्ष 2016 तक प्रोन्नति बाधित रखने का निर्णय लिया गया था। इस दण्डादेश के विरूद्ध उनके द्वारा पुनर्विलोकन आवेदन समर्पित किया गया, जिसके समीक्षोपरान्त पूर्व में दिये गये दण्ड पर पुनर्विचार करते हुए सरकार द्वारा विभागीय अधिसूचना संख्या–116, दिनांक 13 जुलाई 2011 द्वारा इन्हें 8 (आठ) वार्षिक वेतन वृद्धियाँ असंचयात्मक प्रभाव से रोके जाने का निर्णय संसूचित किया गया था। पुनः इसी दण्डादेश के विरुद्ध उनके द्वारा पुनर्विलोकन आवेदन समर्पित किया गया, जिसके समीक्षोपरान्त पूर्व में दिये गये दण्ड पर पुनर्विचार करते हुए सरकार द्वारा इन्हें 3 (तीन) वार्षिक वेतन वृद्धियां असंचयात्मक प्रभाव से रोके जाने का निर्णय लिया गया है।

उक्त अधिसूचना के अन्य दंड यथावत् रहेगें।

बिहार–राज्यपाल के आदेश से,
(ह०)–अस्पष्ट,
वाणिज्य–कर आयुक्त–सह–सचिव।

VIGILANCE DEPARTMENT

FORM NO.1

DECLARATIONS

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-06/12-367—WHEREAS, It is alleged that Dr. Md. Jamaluddin, the then Civil Surgeon, Saharsa, S/o Late S.K. Wasir, Permanent Address :- Village- Bheriherwa, P.S.- Ramgadhwa, Distt.- East Champaran. while holding the post of the Civil Surgeon, Saharsa and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the

matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 05/2010 dated.: 19-01-2010.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Civil Surgeon, Saharsa, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-07/12-368—WHEREAS, It is alleged that Dr. Ambuj Kumar, S/o Umeshwar Prasad Verma, the then Astt. Director, Urban Development and Housing Department, Vikash Bhawan, Patna, Permanent Address :- Binova Path, Postal Park, Chirayatar, Patna, while holding the post of the Astt. Director, Urban Development and Housing Department, Vikash Bhawan, Patna and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 15/2000 dated.: 26-08-2000.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Astt. Director, Urban Development and Housing Department, Vikash Bhawan, Patna, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-08/12-369—WHEREAS, It is alleged that Sri Dwarika Nath Rai, the then Superintendent Engineer, P.H.E.D., Bhagalpur, Permanent Address : - S/o Late Tapeshwar Rai, Village-Kathrai, P.S. - Charpokhri, Distt. - Bhojpur, Present Address : - Plot No. - B-12, Peoples Co-operative Colony, Kankerbagh, Patna, while holding the post of the Superintendent Engineer, P.H.E.D., Bhagalpur and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 12/95 dated.: 18-04-1995.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by

said the Superintendent Engineer, P.H.E.D., Bhagalpur, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-09/12-370—WHEREAS, It is alleged that Shri Manoj Mankar, the Examination Controller, I.T.I., Digha, Labour and Employment (Training) Department, Patna, Address : S/o Shailendra Kumar Singh, Monika Apartment, Flat No. - 302, Jagdeo Path, Khajpura, Patna, while holding the post of the Examination Controller, I.T.I., Digha, Labour and Employment (Training) Department, Patna and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 77/09 dated.: 28-07-2009.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Examination Controller, I.T.I., Digha, Labour and Employment (Training) Department, Patna, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-10/12-371—WHEREAS, It is alleged that Sri Ajay Kumar Prasad, the then G.M-Cum-Chief Engineer, Bihar electricity Board, Patna, Present Address : - S/o Late Baleshwar Prasad, At Mohallah - Nasriganj, Biscuit Factory More, Digha, Danapur, Patna, while holding the post of the G.M., Bihar electricity Board, Patna and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 24/2011 dated.: 20-04-2011.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the G.M-Cum-Chief Engineer, Bihar electricity Board, Patna, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-11/12-372—WHEREAS, It is alleged that Sri Akhilesh Kumar Sharma, the then Executive Engineer, Department of Building Construction, Bihar, Patna, Pramanent Address : - S/o Kedar Nath Sharma, Village-Godhna, P.S. - Bihta, Distt. - Patna, Present Address : - House No. - 37, chandan Villa, Road No. 10, Patel Nagar, P.S. - Shastri Nagar, Distt. - Patna, while holding the post of the Executive Engineer, Department of Building Construction, Bihar, Patna and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 60/07 dated.: 15-05-2007.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Executive Engineer, Department of Building Construction, Bihar, Patna, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-12/12-373—WHEREAS, It is alleged that Sri Hira Kant Jha, the then Retired Superintending Engineer, Building Design, Patna, Department of Building Construction, Bihar, Patna, Permanent Address : S/o Late Uday Kant Jha, Village - Kaithania, Tola - Lakshmanpur, P.S. - Lakhnaur, Madhepur, District- Madhubani, Present Addres : - Circle No. 249B, Holding No.- 1051/70, Near Barti Vihar Apartment, West Patel Nagar, Patna-23, while holding the post of the Superintending Engineer, Building Design, Patna, Department of Building Construction, Bihar, Patna and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 17/04 dated.: 12-10-2004.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Superintending Engineer, Building Design, Patna, Department of Building Construction, Bihar, Patna, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-13/12-374—WHEREAS, It is alleged that Sri Ramashrya Prasad, the then Inspector Weight and Measurement, Department, Govt. of Bihar, Banka, Permanent Address : - S/o Late Bhatu Das, Village-Dhibra par, P.O. + P.S. - Hilsa, Distt. - Nalanda while holding the post of the Inspector Weight and Measurement, Banka and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 05/2009 dated. 22-01-2009.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Inspector Weight and Measurement, Banka, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-14/12-375—WHEREAS, It is alleged that Sri Ram Parikshan Gupta, the then Sub-inspector of Police-cum S.H.O, Muzaffarpur, Address : - S/o Late Saudagar Sahu, Village-Dhanrhi, P.S. - Andhara Dhanrhi, Distt. - Madhuvani, while holding the post of the Sub-inspector of Police-cum S.H.O, Muzaffarpur and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 108/07 dated.: 28-09-2007.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Sub-inspector of Police-cum S.H.O, Muzaffarpur, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-15/12-376—WHEREAS, It is alleged that Sri Dineshwar Paswan, the then Secretary, Bihar Intermediate Council, Patna (Rtd.), Address :- S/o Late Rameshwar Paswan, Road No. 13-A, Rajendra Nagar, Patna, while holding the post of the Secretary, Bihar Intermediate Council, Patna (Rtd.) and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 69/2010 dated.: 22-09-2010.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Secretary, Bihar Intermediate Council, Patna (Rtd.), who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-16/12-377—WHEREAS, It is alleged that Sri Ramashish Singh Yadav, the then Steno Typist (Grade-III) Science & Technology Deptt., Bihar, Patna, Permanent Address :- S/o Sri Ram Vilash yadav, village - Mahulang, P.O. + P.S.- Salaiya, Distt.- Aurangabad, At present Address : - "Manoj Bhawan" Post Office Road, Punaichak, P.S.-Shastri Nagar, Distt.- Patna while holding the post of the Steno Typist (Grade-III) Science & Technology Deptt., Bihar, Patna and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 25/06 dated.: 29-04-2006.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Steno Typist (Grade-III) Science & Technology Deptt., Bihar, Patna, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-20/12-378—WHEREAS, It is alleged that Sri Nand Kishore Verma, the then Circle Officer, Circle Bhagwanpur, Begusarai, Address : - S/o Late Krishna Nand Verma, R/o at House No. 3, Road No. - 5, Indrapuri, P.S. - Patliputra, Distt. - Patna while holding the post of the

Circle Officer, Circle Bhagwanpur, Begusarai, and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 101/06 dated.: 30-12-2006.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Circle Officer, Circle Bhagwanpur, Begusarai, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-17/12-379—WHEREAS, It is alleged that Sri Birednra Narayan Sharma, the then Executive Engineer, Building Construction Department, Saharsa, Permanent Address :- S/o Late Bans Narayan Sharma, Village-Rampur, Dehri, P.S. - Sikraul, Distt.- Buxar, At Present Address :- Flat No. - 303, Sharda Lok Apartment, Nehru Nagar, P.S. - Patliputra, Distt.- Patna, while holding the post of the Executive Engineer, Building Construction Department, Saharsa and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 66/09 dated.: 10-06-2009.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Executive Engineer, Building Construction Department, Saharsa, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-18/12-380—WHEREAS, It is alleged that Sri Laxman Prasad, the then Head Clerk, I.T.I. Digha, Patna, Permanent Address :- S/o Sri Gharbharan Prasad, Village - Bankatta, P.S. - Chodho Dhapar, Distt. - Deoria (U.P.), At Present Address : - Sanmati Sadan, Janta Road, Jakkanpur, P.S. - Jakkanpur, Patna, while holding the post of the Head Clerk, I.T.I. Digha, Patna and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 77/09 dated.: 28-07-2009.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Head Clerk, I.T.I. Digha, Patna, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

17th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-19/12-381—WHEREAS, It is alleged that Sri Surendra Prasad, the then Head Cleark, Civil Surgeon Office, Motihari, East Champaran (Retd.), Permanent Address : - S/o Late Ram Lakhan Preasad, R/o Village - Damodarpur, P.S. - Govindganj, Distt. - East Champaran while holding the post of the Head Cleark, Civil Surgeon Office, Motihari, East Champaran (Retd.), and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 19/03 dated.: 15-11-2003.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Head Cleark, Civil Surgeon Office, Motihari, East Champaran (Retd.), who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

24th January 2012

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules 2010)

No. Ni. Vi. /Stha (Vi.Nya.)-21/12-525—WHEREAS, It is alleged that Shri Sonelal Hembrum, the then Dy. Commissioner of Excise, Govt. of Bihar, Patna, Address :- S/o Late Ram Sahay Hembrum, Road No. -11, Patel Nagar, Patna while holding the post of the Dy. Commissioner of Excise, Govt. of Bihar, Patna and serving in different capacities under Bihar Government, committed the offence of criminal misconduct defined under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Vigilance investigation Bureau Vide Vig. P.S. Case No. 20/2000 dated.: 20-09-2000.

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned criminal misconduct by said the Dy. Commissioner of Excise, Govt. of Bihar, Patna, who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means.

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried for confiscation of the properties mentioned in the application by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence be dealt with under the provision of Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,
Sd/-Illegible,
Principal Secretary to the Government.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 46—571+**10**-डी0टी0पी0।
Website: http://egazette.bih.nic.in